सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
RNI No: UPHIN/2023/86769 www.swarajindianews.com swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्यः ₹ 02
साध्यकालीन समाचार पत्र
स्वराज इंडिया
कानपुर, गुरुवार, 28 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 227, पृष्ठः 8+4

'अगर इंडिया नहीं झुका तो...', अब ट्रंप सलाहकार ने दी धमकी

इनसाइड बिल्हौर-ककवन मार्ग पर हादसा, दो की जान गई... » Pg 04
» Pg 12

बेईमान दलों ने यूपी को बनाया बीमारू हमने निकाला अंधकार से-सीएम योगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विपक्ष पर जमकर बरसे और बेबाक अंदाज में कहा कि 'उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं था, बल्कि बेईमान राजनीतिक दलों ने इसे बीमारू राज्य बना दिया था।'

लोकभवन सभागार में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर करारा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले नौकरियां भ्रष्टाचार और बंदरबांट की भेंट चढ़ती थीं। 'योग्य युवा भेदभाव के शिकार होते थे और प्रदेश की पहचान संकट में फंस गई थी।'

सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि 1947 से 1960 तक यूपी देश की अर्थव्यवस्था में 14 प्रतिशत योगदान करता था, लेकिन भ्रष्ट राजनीति और परिवारवाद ने इसे रसातल में धकेल दिया। '1990 के बाद गिरावट इतनी तेज हुई कि 2017 तक यूपी का योगदान 8 प्रतिशत से भी नीचे चला गया।' सीएम योगी ने कहा कि जहां पहले 'भ्रष्टाचारियों की मंडी लगती थी और नौकरियां बिकती थीं', वहीं आज प्रदेश का हर योग्य युवा बिना भेदभाव नौकरी पा रहा है। उन्होंने साफ कहा- '2017 से पहले नियुक्तियां होती भी थीं तो केवल बंदरबांट के लिए। यह दंगों और परिवारवादी राजनीति का नतीजा था, जिसने यूपी को लूट का अड्डा बना दिया था।'

धुआंधार बयानबाजी से गरमाई सियासत

सीएम योगी का यह भाषण केवल नियुक्ति पत्र वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विपक्ष और पुराने दलों पर ताबड़तोड़ प्रहार से माहौल पूरी तरह राजनीतिक हो गया। उन्होंने यह भी दोहराया कि '2047 का विकसित भारत आंगनबाड़ी केंद्रों से ही शुरू होगा। नवचयनित मुख्य सेविकाएं और फार्मासिस्ट बच्चों का भविष्य बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।'

विपक्ष पर वार : 'मुद्दे नहीं, सिर्फ नकारात्मकता'

मुख्यमंत्री ने स्कूल मर्जर और शिक्षा नीति पर हो रहे विरोध को लेकर विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। केवल नकारात्मकता फैलाकर जनता को गुमराह कर रहा है। जर्जर भवनों को हटाकर बेहतर शिक्षा और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। लेकिन विपक्ष भ्रम फैलाने में जुटा है।

महिला सशक्तिकरण का दम

- योगी ने आंकड़े गिनाते हुए कहा कि बीते 8 सालों में प्रदेश ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में इतिहास रचा है।
- यूपी पुलिस भर्ती में हाल ही में 12,045 बेटियां चयनित हुईं।
- 1947 से 2017 तक जहां केवल 10,000 महिला पुलिसकर्मी थीं, वहीं योगी सरकार में 40,000 से अधिक बेटियां वर्दीधारी बनीं।
- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से 26 लाख बेटियों को 25,000 रुपये का लाभ मिला और 4 लाख बेटियों की शादी सामूहिक विवाह योजना से कराई गई।
- महिलाओं में एनीमिया, बच्चों में कुपोषण और शिशु मृत्यु दर लगातार कम हो रही है। आंगनबाड़ी केंद्रों की रियल टाइम मॉनिटरिंग से योजनाओं का लाभ सीधा जनता तक पहुंच रहा है।

दिया धोखा पीड़ित पति लुटेरी पत्नी के चक्कर में हो गया पूरा बर्बाद, 5 वर्ष पूर्व हुआ था अंतर जाति विवाह

लुटेरी पत्नी : 2 बच्चों की मां लाखों के जेवर और कैश लेकर भागी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

'पूरा बर्बाद हो गया'

पीड़ित पति ने विश्वास कर फरार पत्नी के नाम 7 बीघा जमीन करीब 70 लाख रुपए की खरीद कर रजिस्ट्री करवा कर नाम कर दी

तलेन (राजगढ़, एमपी)। आए दिन शादी के नाम पर लुटेरी दुल्हन शादी के बाद धन-दौलत लूट कर फरार होने के प्रकरण आए दिन देखे जा रहे हैं। इसी प्रकार नगर में 16 अगस्त को मनोज कुमार परतानी-आयु 50 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 8, तलेन की पत्नी जामवती बाई आयु 23 वर्ष, जाति गोंड दो बच्चे एक पुत्री डेढ़ वर्ष, एक पुत्र 4 वर्ष को छोड़कर रात्रि ऊपर छत से पड़ोस के निर्माणाधीन मकान से कूद कर 10 लाख रुपए के सोने के जेवर एक लाख चार हजार रुपए नगद लेकर फरार हो गई। पीड़ित मनोज कुमार परतानी को उस पर शंका होने पर दिनांक 14 अगस्त को तलेन थाने में आवेदन दिया था। जिसमें उल्लेख किया था कि मेरे पास 921488 5105 एवं 9555452612 करीब 4 मोबाइल नंबर से आए दिन फोन आते हैं। जब मैं उससे बात की तो उसका कहना है कि तेरी पत्नी को हम उठा ले जाएंगे। जब मैं पत्नी से पूछा तो उसने मना कर दिया कि मुझे नहीं मालूम किसके नंबर है। 16 अगस्त की रात्रि को वह फरार हो गई। तब मनोज कुमार परतानी ने थाने में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। तलेन थाने में गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज की गई। 23 अगस्त को फिर मनोज कुमार परतानी के पास फोन नंबर 8595067944 से फोन आया उसकी पत्नी द्वारा बात की गई उसका कहना था कि मेंने विवाह कर लिया है मैं अब नहीं आऊंगी। मनोज कुमार परतानी ने मोबाइल से उसकी पत्नी से तलेन थाने में पुलिस द्वारा उसकी पत्नी से बात कराई गई। पीड़ित मनोज कुमार परतानी ने बताया कि करीब आधा दर्जन मोबाइल नंबर में तलेन थाने में दे चुका हूं। मुझे अभी तक कोई न्याय नहीं मिला। मैं बर्बाद हो गया। लुटेरी दुल्हन पर प्रकरण कायम कर मेरे जेवरात रुपए दिलाए जाए ताकि मेरे बच्चों को काम आ सके।

डी-2 गैंग पर पुलिस का शिकंजा

सबलू के बाद उसका भाई गुड्डू भी गिरफ्तार

» **रंगदारी मांगने के आरोप में चमनगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई**

» **दरोगा नितिन चौधरी की टीम ने दिखाई अपराधियों को पुलिस की ताकत**

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। कुख्यात डी-2 गैंग पर पुलिस ने लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए शूटर सबलू के भाई जियाउद्दीन उर्फ गुड्डू को भी गिरफ्तार कर लिया है। दो दिन पहले ही हिस्ट्रीशीटर सबलू को जेल भेजा गया था और अब उसका भाई भी सलाखों के पीछे है।चमनगंज निवासी कमीशन एजेंट जैद बारी से एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने बुधवार को गुड्डू को पुलिस लाइन के पास से गिरफ्तार किया।

आरोपी को पकड़ने के बाद पुलिस ने इलाके में पैदल घुमाया, ताकि लोगों के बीच उसकी दहशत खत्म हो सके ।14 अगस्त की रात सबलू ने कारोबारी जैद बारी से रंगदारी मांगी और कहा कि उसका व्यापार अच्छा चल रहा है लेकिन उसने अब तक डी–2 गैंग को हिस्सा नहीं दिया है। 19 अगस्त की रात सबलू और गुड्डू ने असलहा दिखाकर कारोबारी को धमकाया और एक लाख रुपये वसूल लिए।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। सबलू को पहले ही जेल भेजा जा चुका है, जबकि अब गुड्डू भी गिरफ्त में है।इस कार्रवाई में चमनगंज थाना पुलिस की विशेष भूमिका रही।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक नितिन कुमार (चौकी प्रभारी आनंदबाग), उपनिरीक्षक कोशिन्दर सिंह (चौकी प्रभारी हलीम कॉलेज), उपनिरीक्षक भानुप्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल आदर्श कुमार और कांस्टेबल विवेक गौतम शामिल रहे।

खास बात यह है कि कानपुर दक्षिण में एंटी–क्रिमिनल छवि बना चुके दरोगा नितिन चौधरी की अगुवाई में ही चमनगंज पुलिस लगातार इन बड़े अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचा रही है। उनकी टीम की इस कामयाबी से इलाके के लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और अपराधियों में खौफ साफ दिखाई देने लगा है।

सजेती में चला फर्जी पुलिस का खेल, दरोगा और सिपाही दोनों हवालात में

» **डुहरू गांव का फर्जी दरोगा, सिपाही के साथ पकड़ा गया**

» **अपराधियों के पास से दरोगा की फर्जी आईडी और वर्दी भी बरामद**

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। सजेती थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक फर्जी दरोगा और उसके साथी फर्जी कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी लंबे समय से पुलिस की वर्दी पहनकर इलाके में रौब जमाता था और वाहन चालकों से उगाही करता था। इतना ही नहीं, अपनी ससुराल डुहरू गांव में भी वह दरोगा बनकर धौंस दिखाता था। मंगलवार को हुई कार्रवाई में पुलिस ने उसके पास से फर्जी आईडी, वर्दी और कैप बरामद किए हैं ।फर्जी दरोगा के साथ एक युवक भी पकड़ा गया है, जो खुद को सिपाही बताता था। वह भी आरोपी के साथ क्षेत्र में सक्रिय रहता और लोगों के बीच पुलिस का रौब दिखाकर अवैध वसूली में मदद करता था। पुलिस ने इस युवक को भी हिरासत में लिया है और पूछताछ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार फर्जी दरोगा का भांडा उस समय फूटा जब पुलिस ने अमौली क्षेत्र में हुई चोरी की घटना में संदिग्धों को उठाया। उसी दौरान यह युवक थाने पहुँच गया और पैरवी करने लगा। शक होने पर जब पुलिस ने उसका नाम और तैनाती पूछी तो उसने अपना नाम आजाद और तैनाती इटावा बताई। पुलिस ने इटावा से जानकारी की तो इस नाम का कोई भी पुलिसकर्मी वहां तैनात नहीं मिला। इसके बाद जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो वह बार–बार अपना नाम और पता बदलता रहा ।पुलिस को आरोपी की आईडी में बांदा का पता मिला है, लेकिन उसकी भी सत्यता संदिग्ध बताई जा रही है। आरोपी के बारे में यह भी सामने आया कि हाल ही में एक ट्रैक्टर चालक से रंगदारी मांगने की शिकायत पुलिस तक पहुँची थी, लेकिन तब तक उसका सुराग नहीं लग पाया था। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी डुहरू गांव में अपनी ससुराल आने–जाने के दौरान खुद को दरोगा बताकर इलाके में लोगों पर धौंस जमाता था ।सजेती पुलिस ने फिलहाल फर्जी दरोगा और उसके साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कितने समय

से यह दोनों युवक इस तरह की गतिविधियों में शामिल थे और अब तक कितने वाहन चालकों या लोगों से इन्होंने अवैध वसूली की है। पुलिस को शक है कि इनके गिरोह में और भी लोग शामिल हो सकते हैं जिनकी पहचान जल्द की जाएगी।

गणेश महोत्सव के स्वागत द्वार में आयोजकों का महिमा मंडन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। श्री गणेश महोत्सव एक ऐसा धार्मिक आयोजन है जो हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत रखता है, जो हमारे अंदर के राष्ट्रीयता के भाव को दुनिया के सामने प्रतिबिम्बित करता है। एक ऐसा धार्मिक आयोजन जो पूरे भारत वर्ष में समावेशी समाज की परिकल्पना का साकार स्वरूप नजर आता है। एक धार्मिक पर्व जिसे राष्ट्रीय आंदोलन के लिए आवश्यक जनमत तैयार करने के पवित्र भाव के साथ बाल गंगाधर तिलक ने घरों की देहरी से बाहर लाकर सार्वजनिक आयोजन का रूप दिया। यह एक ऐसा आयोजन है जिसमें देश की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीयता की झांकी नजर आती है। गणेश महोत्सव ही नहीं किसी भी धार्मिक, सामाजिक सार्वजनिक आयोजन में आयोजकों द्वारा गहन संवेदनशीलता की दरकार होती है। अधिकांश आयोजक अपने कर्तव्यों का अच्छे से पालन भी करते हैं। लेकिन कुछ जगह - कुछ अपरिपक्व और अज्ञानी भी होते हैं, जिनके कारण लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। ऐसा ही एक मामला यशोदा नगर बजरंग चौराहा गणेश महोत्सव में नजर आया है....

यशोदा नगर के बजरंग चौराहा गणेश महोत्सव में नजर आई आयोजकों की संवेदनहीनता

- » गजानन सरकार की लगी अधूरी फोटो भक्तों दे रही ठेस
- » बनाए गए स्वागत द्वार के दोनों तरफ बैनर में गणेश जी की फोटो दिख रही अधूरी
- » गणेश भक्तों की भावनाएं आहत

कानपुर नगर के यशोदा नगर स्थित बजरंग चौराहा के निकट होने वाले गणेश महोत्सव में आयोजकों की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

आयोजन स्थल पर बनाए गए स्वागत द्वार में आयोजकों की फोटो तो अच्छी तरह से बैनर में लगी हुई है परंतु गजानन सरकार की फोटो पूरी नहीं नजर आ रही है और यह गलती स्वागत द्वार में एक तरफ नहीं की गई है बल्कि स्वागत द्वार के दोनों तरफ आयोजकों ने अपनी तस्वीरों को तो अच्छे से लगवाया है लेकिन गणेश जी की तस्वीर किनारे पर और इस तरह लगाई गई है जो पूरी तरह से नजर नहीं आ रही है। द्वार के दोनों ही ओर गणेश जी का श्रीमुख नजर नहीं आ रहा। इस गणेश महोत्सव के स्वागत द्वार की स्थिति कार्यक्रम के आयोजकों की लापरवाही और संवेदनहीनता को परिलक्षित कर रही है।

गणेश भक्तों में आयोजकों के प्रति रोष

बजरंग गणेश महोत्सव समिति के बैनर तले बजरंग चौराहा के आसपास के कुछ लोगों द्वारा कराए जा रहे इस कार्यक्रम के स्वागत द्वार में गणेश जी की दिख रही आधी अधूरी छवि से लोगों के मन में रोष है। लेकिन आयोजकों के सामने कोई कुछ अभी बोल नहीं रहा है।

कार्यक्रम स्थल के पास ही रहने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि ये सब कैसे गणेश भक्त हैं जो खुद की फोटो पूरी लगा रहे हैं और गणेश भगवान की अधूरी फोटो इन्हें नजर नहीं आ रही है? वहीं एक अन्य व्यक्ति ने भी बिना नाम बताए कहा बैनर लगे तीन दिन बीत गए हैं लेकिन

आयोजकों को ना तो अभी तक अपनी गलती का एहसास हुआ है और ना ही भूल सुधार किया गया है।

आयोजकों की गणेश भक्ति या फिर दिखावा!

समारोह स्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित एक दुकान में काम करने वाले युवक ने कहा कि अधिकांश आयोजनकर्ता बहुत ही संवेदनशील होते हैं।

आयोजन की छोटी से छोटी चीजों का ध्यान रखते हैं। कार्यक्रम स्थल पर अपनी पैनी दृष्टि रखते हैं लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो इस प्रकार के सार्वजनिक आयोजनों को क्षेत्र में प्रसिद्धि पाने का शॉर्टकट मान लेते हैं। ऐसे लोगों का सारा ध्यान अपने पर ही केंद्रित होता है।

इस युवक ने एक बड़े मार्के की बात कही, उसने कहा ऐसा तो हो नहीं सकता कि कमेटी के किसी सदस्य ने स्वागत द्वार देखा ना हो। हां यह संभव है कि बैनर पर लगी अपनी अपनी फोटो देखकर ये सभी आत्ममुग्धता में अंधे जैसे हो गए हों! इसीलिए अपनी फोटो के अलावा इन कमेटी वालों को कुछ और दिख ही नहीं रहा हो, यहां तक कि भगवान गणेश की आधी अधूरी छवि भी इन आत्ममुग्ध लोगों को नजर ना आई हो।

आमने-सामने की भिड़ंत के बाद सड़क किनारे खड़ी क्षतिग्रस्त कार और ऑटो के तो परखच्चे उड़ गए।

मृतकों के परिजन को सांत्वना देते तहसीलदार अनुभव चंद्रा।

मृतक ऋषभ (फाइल फोटो)।

मृतक रामशरण (फाइल फोटो)।

बिल्हौर–ककवन मार्ग पर दर्दनाक हादसा

दो लोगों ने गंवाई जान

तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने रोते परिजनों को गले लगाकर ढांढस बंधाया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

ककवन/बिल्हौर (कानपुर)। गुरुवार की सुबह बिल्हौर-ककवन मार्ग पर चाँदेताल मोड़ के पास हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। सवारी लेकर ककवन से बिल्हौर जा रहे ऑटो को सामने से आ रही तेज रफतार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल होकर जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। ऑटो चालक और कार चालक पुलिस के पहुंचने से पहले मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 10.30 बजे ऑटो जैसे ही चाँदेताल मोड़ से गुज़रा, तभी सामने से आई तेज़ रफतार कार ने उसे सीधी टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालकर सीएचसी पहुँचाया। भीषण हादसा देख सड़क पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से सभी को ककवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहाँ डॉक्टरो ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया और बाकी अन्य चारों का उपचार के बाद कानपुर रेफर कर दिया। हादसे के बाद से पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने कार और ऑटो को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद ककवन सीएचसी अस्पताल में इस तरह लगा मेले सा नजारा।

अस्पताल में पसरा मातम : हादसे की खबर मिलते ही मृतक और घायलों के परिजन अस्पताल पहुँच गए। किसी का रो-रोकर बुरा हाल था, तो कोई बेहोश होकर ज़मीन पर गिर पड़ा। माहौल इतना ग़मगीन था कि मौजूद लोग भी अपने आंसू रोक न सके।

...ज़ब अफ्सर भी हुए भावुक : सूचना पाकर तहसीलदार अनुभव चंद्रा, एसीपी अमरनाथ यादव और ककवन थाना अध्यक्ष, ककवन प्रधान राजू सीएचसी पहुँचे। परिजनों की चीख-पुकार देख तहसीलदार अनुभव चंद्रा गमगीन हो गए और उन्होंने रोते-बिलखते परिजनों को गले लगाकर ढांढस बंधाया। अफसरों का यह मानवीय रूप देख मौजूद लोग भी भावुक हो उठे।

चार घायलों की हालत गंभीर, कानपुर हैलट रेफर किया गया

गंभीर रूप से घायल

1. जयमुल निशा (60) पत्नी सुलेमान, निवासी ककवन
2. जयशंकर (38) पुत्र प्रकाश मिश्र
3. मासूम मेराज आलम (7) पुत्र मोहम्मद रफी
4. मासूम कायरा (4) पुत्र मोहम्मद सफी

मृतक

1. रामशरण पाल (54) पुत्र राम प्रताप, निवासी ककवन
2. ऋषभ पाल (22) पुत्र जगत पाल, निवासी फतेहपुर

स्वराज इंडिया की अपील

हम आप आगे बैठाने वाले ऑटो चालकों का करें बहिष्कार

बिल्हौर। जिस तरह से क्षमता से अधिक सवारियां भरकर चल रहे ऑटो चालक आम आदमी को मौत के मुंह में धकेलने के लिए आमादा हैं और हम आप सारी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन पर डालकर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ रहे हैं। ऐसे में स्वराज इंडिया अखबार आपसे अपील करता है कि आप खुद ऑटो में आगे बैठकर यात्रा न करें। हमारी आपकी छोटी सी कोशिश से कई लोगों की जान बच सकती है।

सम्पादकीय

ट्रंप-दबाव के समक्ष मोदी संकल्प की परीक्षा

देश को धीरे-धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आतंक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन-यापन का भी प्रश्न है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप द्वारा अतार्किक टैरिफ बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया है कि उनके हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार,प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। इसमें दो राय नहीं कि विगत में भी किसान असंतोष को राजनीतिक हथियार बनाने में विपक्ष ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी थी। खासकर केंद्र सरकार ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले किसान आंदोलन से कड़वा सबक सीखा है। किसान लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर डटे रहे थे। जिसके बाद अंततः इन विवादास्पद कानूनों को निरस्त कर दिया गया था। इस बीच आंदोलन में किसानों ने अपने अनेक साथियों को खोया था। दरअसल, आंदोलनकारी किसानों की एक मुख्य मांग- विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने की थी। कृषि संगठनों के साथ लंबी चली कई दौर की बातचीत के बावजूद एमएसपी मुद्दे पर गतिरोध कायम है। आज अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है। बहरहाल, अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं।

शहरीकरण व जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझें

विनय प्रभाकर

देश में चल रहे मानसून मौसम में पूरे देश में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जैसा कि भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान दिया था। कई राज्यों में भारी बारिश हुई है, जिसमें पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के कारण आपदाएं जैसे भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं।हिमालयी क्षेत्र- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर में लगातार, व्यापक और तीव्र बारिश हुई है। इस मौसम की सबसे भयंकर आपदाओं में से एक उत्तरकाशी जिले के धराली में आई, जहां कथित रूप से बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने जान-माल का नुकसान किया। यह क्षेत्र की पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील स्थिति में अनियंत्रित विकास के खतरे की गंभीर याद दिलाता है।

मैदानों में भी मानसून का कहर जारी है, जहां बड़े शहरों में सड़कों पर जलभराव, जान-माल के नुकसान और पुरानी संरचनाओं का ढह जाना देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर जलजमाव के कारण भारी ट्रैफिक जाम, सड़कों और राजमार्गों पर कार और ट्रकों का सिंक होल में गिरना, स्कूलों और कार्यालयों में फंसे लोग तथा बिजली की चपेट में आने जैसी दुखद घटनाओं की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।कुछ नए बने हवाई अड्डों की इमारतें लगातार बारिश को सहन नहीं कर पाईं। प्रभावित शहर जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र और आउटसोर्सिंग हब हैं।बारिश से होने वाले प्रभावों को केवल 'प्रकृति का क्रोध' मान लेना गलत होगा। जो कुछ भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है।

दशकों से वैज्ञानिक अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि की चेतावनी दे रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का परिणाम है।एक चरम मौसम घटना तब होती है जब किसी स्थान पर सामान्य मात्रा से कहीं अधिक वर्षा या हिमपात होता है, जैसा कि हमारे कई शहरों में हो रहा है। किसी शहर या क्षेत्र की औसत वर्षा सामान्य सीमा में रह सकती है, लेकिन कुछ दिनों या स्थानों पर बहुत कम समय में भारी वर्षा होती है, जिससे जलजमाव और स्थानीय बाढ़ होती है।यह स्थिति केवल बिगड़ती ही जाएगी क्योंकि भारत में तीव्र गति से शहरीकरण हो रहा है। वर्तमान अनुमान के अनुसार, 2050 तक लगभग एक अरब भारतीय शहरों में रह रहे होंगे।

लेकिन अगर भारतीय शहर अपनी वर्तमान विकास दिशा पर चलते रहे, तो वे अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे, जैसा कि विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहर अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और बड़ी संपत्ति के केंद्र होने के कारण जलवायु प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। शहरों में ग्रामीण इलाकों की तुलना में जलवायु प्रभाव और आपदाएं अधिक होती हैं क्योंकि वे अत्यधिक आपस में जुड़ी हुई प्रणालियों पर निर्भर हैं। जब मुख्य बुनियादी ढांचा जैसे राजमार्ग या बिजली ग्रिड टूटते हैं, तो यह एक श्रृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है जिससे बुनियादी ढांचे की विफलता होती है और शहर ठप हो जाता है। बाढ़ सड़कें बंद कर व यातायात बाधित कर सकती है, बिजली लाइनों को प्रभावित और आर्थिक नुकसान कर सकती है।

धान अवशेष प्रबंधन के टिकाऊ समाधानों की जरूरत

पराली जलाने से प्रदूषण

मदन वर्मा

अक्तूबर-नवंबर में उत्तर पश्चिम भारत, खासकर दिल्ली में प्रदूषण चिंताजनक स्तर तक बढ़ जाता है। इसके प्रमुख कारकों में से एक पराली जलाना भी है। जिस पर अंकुश लगाने के लिए पराली के बंडल बनाने जैसी खर्चीली योजनाएं लागू की जाती हैं। जबकि खास एसएसएम सिस्टम से लैस कम्बाइन से धान कटाई व पराली मिट्टी में दबाना ज्यादा तार्किक व किफायती विकल्प है।

अक्तूबर-नवंबर में उत्तर पश्चिम भारत, खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाती है। इसके जिम्मेदार कई कारक हैं जैसे मानसून के कारण वायु की गति मंद होना, पहाड़ों से ठंडी हवाओं का मैदानी क्षेत्र की तरफ चलना व पहले से ही मौजूद वायु प्रदूषण का पृथ्वी की सतह पर फैलना। वहीं इसमें धान कटाई के बाद खेतों में पराली जलाना भी एक कारक है। जो सितंबर अंत से नवंबर अंत तक गेहूं, सरसों आदि की बुआई हेतु धान की फसल के अवशेषों को खेत से साफ करने की आसान और बिना लागत वाली विधि है। ये प्रदूषक वातावरण में फैल कर भौतिक और रासायनिक परिवर्तन होने के बाद धुंध की परत का रूप धारण कर लेते हैं। कई-कई दिनों तक धूप को पृथ्वी तक पहुंचने में बाधा बनते हैं। इसके दुष्प्रभाव से सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हालांकि एनसीआर के वायु प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 5 से 30 प्रतिशत तक ही रहता है।पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए सरकार लाखों-करोड़ों रुपए खर्च करती है। यह व्यय पराली के बंडल बनाकर उद्योगों तक पहुंचाने जैसी अव्यावहारिक योजनाएं लागू करने पर भी होता है। इसके अलावा पराली जलाने पर प्रतिबंध, किसानों पर जुर्माना और केस दर्ज करने जैसे सख्त उपाय अपनाए जाते हैं। लेकिन वायु की गुणवत्ता में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। विडंबना है, प्रचारतंत्र द्वारा पराली जलाने से वायु प्रदूषण पर केवल किसानों को ही जिम्मेवार ठहराया जाता है।इन सबके बावजूद, पराली जलाने की घटनाओं में कमी नहीं आई है। कारण स्पष्ट है कि किसानों के पास पराली प्रबंधन के लिए व्यावहारिक और सस्ते विकल्प उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि धान की कटाई और अगली फसल की बुआई के बीच 15-20 दिनों की अल्प अवधि होने के कारण उनके पास पराली हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं होता है।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के साथ लगते राज्यों में 60 लाख हेक्टेयर भूमि पर धान-गेहूं फसल चक्र अपनाया जाता है, जिसमें अक्तूबर-नवंबर में धान कटाई के बाद गेहूं, आलू और सरसों आदि की बुआई की जाती है। इन क्षेत्रों में सालाना लगभग 40 करोड़ क्विंटल पराली पैदा होती है। जिसे उद्योगों में इस्तेमाल करने के लिए 15-20 दिन की अल्पावधि में लाखों ट्रैक्टर-चालित बेलर मशीनों की मदद से खेतों से करीब 100 करोड़ बंडल बनाए जाते हैं। इन्हें एक करोड़ वाहनों द्वारा सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित उद्योगों तक ढोने में लाखों करोड़ों लीटर डीजल खर्च होता है, जो सरकारी धन की बर्बादी और प्रदूषण बढ़ाने वाला अव्यावहारिक प्रयास कहा जा सकता है।प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा 26 सितंबर, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार, पंजाब में उत्पन्न होने वाली 20 मिलियन टन पराली के लिए 1,17,672 फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनें हैं।

नहरों को रिवर फ्रंट की तरह विकसित करने की मांग

» कानपुर नगर निगम और सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक में नहरों के सौंदर्यीकरण पर जोर

» अतिक्रमण हटाने के निर्देश

पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन संरक्षक अमित पाण्डेय ने उठाया मामला

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय में बुधवार को महापौर, विधायक सुरेन्द्र मैथानी और नगर आयुक्त की अध्यक्षता में सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में 15वें वित्त आयोग से नहरों के सौंदर्यीकरण हेतु प्राप्त धनराशि के उपयोग पर चर्चा की गई।

बैठक में पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन संरक्षक अमित पाण्डेय ने कहा कि सीटीआई, हलवाखाड़ा होते हुए महाराजपुर तक जाने वाली नहर से किसान सिंचाई करते हैं, लेकिन उसमें शहर का कूड़ा फेंका जा रहा है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि नहरों को केवल पक्का करने के बजाय उन्हें रिवर फ्रंट की तरह विकसित किया जाए, ताकि लोग टहलने भी जा सकें।

विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने कहा कि नहरें कच्ची हैं और उनमें पर्याप्त जल प्रवाह न होने से किसानों को सिंचाई में कठिनाई होती है।

साथ ही छठ पूजा के समय भी श्रद्धालुओं को परेशानी होती है। उन्होंने सिंचाई विभाग को निर्देश दिया कि नहर पटरियों से अतिक्रमण पूरी तरह हटाया जाए।

महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा हर साल छठ पूजा से पहले नहरों से सैकड़ों ट्रक कचरा हटाया जाता है, लेकिन नहरों के किनारे अवैध आवास बनाकर लोग घरेलू गंदा पानी और जल-मल नहरों में बहा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 15वें वित्त आयोग की धनराशि से कार्य शुरू होने से पहले सिंचाई विभाग अतिक्रमण हटाएगा और हेड से टेल तक नहर की सिल्ट सफाई कराएगा।

7 करोड़ की पहली किश्त, 3 करोड़ और स्वीकृत होंगे

नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि फिलहाल 15वें वित्त आयोग से 7 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध हो गई है, जबकि आगे और 3 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इन कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी मुख्य अभियंता (सिविल) सैय्यद फरीद अख्तर जैदी करेंगे।मुख्य अभियंता (सिविल) ने सिंचाई विभाग को निर्देश दिया कि नहरों के सौंदर्यीकरण का विस्तृत प्रोजेक्ट जल्द प्रस्तुत किया जाए, ताकि धनराशि स्थानांतरित कर कार्य समय पर शुरू हो सके।

बैठक में पार्षद नीरज गुप्ता, सौरभ देव, नीरज सिंह, आकर्ष वाजपेई सहित नगर निगम और सिंचाई विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चौबेपुर में महीनों से खुदा पड़ा जानलेवा नाला

» मुख्य मार्ग से जुड़ी सड़क पर जनता रोज जान जोखिम में डालकर गुजर रही

» ठेकेदार की लापरवाही से अधूरा काम, आक्रोशित लोगों ने चेताया आंदोलन

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर।चौबेपुर क्षेत्र के रहमतनगर मोहल्ले में अधूरा पड़ा नाले का निर्माण स्थानीय लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। बंदीमाता रोड किनारे मुख्य मार्ग से निकली सड़क पर महीनों से यह गहरा नाला खुदा पड़ा है। नाले का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से लोगों को रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है।

स्थिति यह है कि संकरी गली से गुजरते समय पैदल राहगीर, बुजुर्ग और खासकर छोटे बच्चों के गिरने का बड़ा खतरा बना रहता है।इलाकाई लोगों का कहना है कि इस नाले की गहराई इतनी है कि इसमें कोई भी बच्चा या राहगीर गिरकर गंभीर हादसे का शिकार हो सकता है। शाम ढलते ही अंधेरे में खतरा और भी बढ़ जाता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि ठेकेदार महीनों से कार्य अधूरा छोड़कर गायब है और बार-बार कहने पर भी काम पूरा करने में टालमटोल कर रहा है। इससे पूरे मोहल्ले की सड़क बंद जैसी स्थिति में है और लोगों को मजबूरी में वैकल्पिक रास्तों से आना-जाना पड़ रहा है।

जनता की चेतावनी करेंगे आंदोलन

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई।

नाले की वजह से राहगीरों की सुरक्षा ही नहीं बल्कि आसपास रहने वाले परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द से जल्द इस अधूरे नाले का निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया तो चौबेपुर ब्लॉक पर क्षेत्रीय जनता एक बड़ा आंदोलन करेगी।

स्थानीय लोगों ने यह भी कहा कि यह प्रशासन और ठेकेदार दोनों की लापरवाही का नतीजा है।अगर समय रहते इसे पूरा कर दिया जाता तो लोगों की जान पर बना यह खतरा टल सकता था। अब जनता के सब्र का बांध टूट रहा है और वे आंदोलन की राह पकड़ने को तैयार हैं।

कानपुर सेंट्रल पर जीआरपी-आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

» 15 लाख का माल बरामद, 5 शातिर बदमाश गिरफ्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जीआरपी व आरपीएफ की संयुक्त टीम ने देर रात बड़ी सफलता हासिल करते हुए लूटपाट और चोरी की वारदातों में शामिल शातिर गिरोह के पाँच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 19 मोबाइल फोन, जेवरात और नकदी सहित लगभग 15 लाख रुपये से अधिक का माल बरामद किया गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज प्रशांत वर्मा और एएसपी रेलवे कानपुर सेंट्रल दुष्यंत कुमार सिंह के निर्देशन में की गई। प्रभारी निरीक्षक जीआरपी ओम नारायण सिंह व प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ सिद्धनाथ पाटीदार के नेतृत्व में 27 अगस्त की रात करीब 2:35 बजे प्लेटफार्म नंबर-10 के पास फुटओवरब्रिज से सभी अभियुक्तों को दबोचा गया।

गिरफ्तार बदमाशों की पहचान एजाज़ (41), इबरार (35), जावेद (27), हैदर अली (25) और शाकिर (38) के रूप में हुई है, जो सभी बिहार के अररिया जिले के निवासी हैं। यह गिरोह दिल्ली, बिहार और अन्य राज्यों में आकर ट्रेनों में चोरी, लूट और यात्रियों से सामान छीने की वारदातों को अंजाम देता था।संयुक्त टीम ने आरोपियों से 50 हजार रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण और 19 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामदगी की कुल कीमत करीब 15 लाख रुपये आंकी गई है।

सीओ जीआरपी दुष्यंत सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि अभियुक्तों से गहन पूछताछ जारी है और इनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि गिरोह की गिरफ्तारी से ट्रेनों में हो रही लूट और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगेगी।

तेज रफ्तार कार ने ऑटो में मारी टक्कर, दो की मौत और तीन गंभीर घायल, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बिल्हौर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से ऑटो सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कानपुर में ककवन से बिल्हौर आ रहा एक ऑटो गुरुवार सुबह चांदेताल गांव के मोड़ पर सामने से आ रही तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गया। हादसे में ऑटो सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य सवारियां घायल हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस और एम्बुलेंस ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हॉस्पिटल भेजा, जबकि मृतकों के परिजनों को सूचित कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 10:30 पर ककवन से बिल्हौर जा रहा ऑटो अभी लखनऊ इटावा राजमार्ग के चांदेताल गांव के मोड पर ही पहुंचा था। तभी एकाएक तेज रफ्तार में बिल्हौर की ओर से आ रही तेज रफतार कार ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ककवन निवासी किसान रामशरण पाल (58) और एक 22 वर्षीय अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गोकसो और हिस्ट्रीशीटर की मदद करने वाला बना बैठा विश्व हिंदू परिषद का प्रांत मंत्री !

» राजू पोरवाल जिला शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) कानपुर देहात के पद पर तैनात थे,

» जांच में दोषी पाए जाने पर राज्यपाल ने किया था बर्खास्त

» गंभीर आरोप की जांच में दोषी पाए जाने के बाद भी विहिप के पद पर कायम

राजू पोरवाल

वरिष्ठ संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। विश्व हिंदू परिषद के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रांत मंत्री राजू पोरवाल का आगमन पुखरायां कस्बे में होने जा रहा है। इस बीच जिले में पूर्व जिला गौरक्षा प्रमुख आदित्य शुक्ला ने पोरवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए सवाल खड़े किए हैं।

आदित्य शुक्ला ने दावा किया है कि राजू पोरवाल, जो कभी जिला शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) कानपुर देहात के पद पर भी रहे, उनके खिलाफ सात से अधिक गोकशी के आरोपितों सहित कुल 33 से अधिक मुकदमों में दर्ज हिस्ट्रीशीटर अपराधियों को मोटी रकम लेकर न्यायालय से जमानत दिलवाने में सहयोग करने के प्रमाण मौजूद हैं।

पूर्व गौरक्षा प्रमुख ने बताया कि इस संबंध में एकीकृत बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की शिकायत पर तत्कालीन जिलाधिकारी ने तीन सदस्यीय एसडीएम स्तर की मजिस्ट्रेटीय जांच कराई थी। जांच में पोरवाल दोषी पाए गए, जिसके आधार पर माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश ने उन्हें तत्काल प्रभाव से जिला शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) पद से बर्खास्त कर दिया था

इसके बावजूद आज भी वे विश्व हिंदू परिषद कानपुर प्रांत के प्रांत मंत्री पद पर बने हुए हैं। आदित्य शुक्ला ने कहा कि जब स्वयं को रक्षक बताने वाला व्यक्ति ही भक्षक बन जाए तो हिंदुत्व और गौसंरक्षण के आदर्शों के साथ न्याय कैसे होगा?

> राजू पोरवाल जी संगठन में प्रांत मंत्री हैं, उनके ऊपर लगे आरोपों को लेकर कोई जानकारी नहीं है। अगर जानकारी मिलती है तो देखा जाएगा।
>
> **गजेंद्र सिंह,**
> **क्षेत्र संगठन मंत्री अवध प्रांत**

इस तरह के गंभीर आरोप

1. पोरवाल ने गोकशी, गैंगरेप जैसे गंभीर मामलों में जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर अपराधियों से आर्थिक लाभ लेकर जमानत दिलवाई।
2. शासकीय अधिवक्ता एवं विहिप प्रांत मंत्री के पद पर रहते हुए नैतिकता का पतन करते हुए कई अपराधियों को जेल से छुड़वाने में मदद की।
3. मजिस्ट्रेटीय जांच में दोषी पाए जाने और राज्यपाल द्वारा बर्खास्त किए जाने के बावजूद आज तक उन्होंने अपने संगठनात्मक पद से इस्तीफा नहीं दिया।

पारिवारिक विवाद से टूटकर श्रमिक ने की आत्महत्या

» पत्नी से जमीन विवाद को लेकर था तनाव

अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने किया मृत घोषित

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिलौची में बीती रात घरेलू विवाद से परेशान एक श्रमिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 25 वर्षीय हरिश्चंद्र के रूप में हुई है, जो घरों में पेंटिंग का काम कर परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना के समय उसकी पत्नी राखी घर में मौजूद थी।

जानकारी के मुताबिक, हरिश्चंद्र ने कमरे में पंखे के कुंडे से रस्सी के सहारे फांसी लगा ली। पत्नी राखी ने जब पति को लटका देखा तो शोर मचाया और तुरंत रस्सी काटकर नीचे उतारा। पड़ोसियों की मदद से निजी वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, हरिश्चंद्र की मां भूरी देवी की मृत्यु दो वर्ष पहले हो चुकी थी।

उनके नाम पर कुछ जमीन थी, जिसे अपने नाम कराना हरिश्चंद्र चाहता था।

वहीं उसकी पत्नी भी उस जमीन में हिस्सेदारी चाहती थी। इसी बात को लेकर दंपति के बीच विवाद चलता था। घटना के एक दिन पहले भी पति-पत्नी में कहासुनी हुई थी। पुलिस का मानना है कि जमीन के विवाद और घरेलू तनाव के चलते हरिश्चंद्र ने आत्मघाती कदम उठाया।

सूचना पर गजनेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। मृतक के पिता कालीचरन और पत्नी राखी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और परिजनों से बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

ग्राम समाज की जमीन पर तालाब पर कब्जा, ग्रामीणों ने दी शिकायत

» ग्रामीणों का आरोप लेखपाल को दी कई तहरीरें, कार्रवाई नहीं

» एसडीएम सिकंदरा को दिया शिकायती पत्र, अवैध कब्जा हटाने की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। तहसील क्षेत्र के मूड़ादेव गांव में ग्राम समाज की जमीन पर बने तालाब पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी सिकंदरा कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने मांग की है कि कब्जे को तत्काल हटवाकर तालाब को मुक्त कराया जाए।गांव के निवासी प्रांशु कटियार पुत्र कृपाशंकर कटियार, पुष्पेंद्र कटियार और सुधीर कटियार ने दर्जनों ग्रामीणों संग स्डरू कार्यालय पहुंचकर शिकायती पत्र सौंपा। उनका कहना है कि गाटा संख्या 157 ग्राम समाज की जमीन है जिस पर तालाब बना हुआ है। आरोप है कि गांव के ही हरदयाल कटियार पुत्र मातादीन और गोविंद सहित अन्य लोग गैरकानूनी तरीके से पक्का निर्माण कर अवैध कब्जा कर रहे हैं। यहां तक कि सबमर्सिबल और पक्की नांद बनाकर घरेलू पशुओं को भी बांधा जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि इस अवैध कब्जे की जानकारी कई बार क्षेत्रीय लेखपाल को दी गई, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की जांच या कार्रवाई नहीं की गई। इस लापरवाही से गांव में भारी रोष है। रानू, कृपाशंकर, छोटू, अतुल, बीरू, महेश समेत कई महिलाओं ने भी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।ग्रामीणों ने स्डरू सिकंदरा को सौंपे गए पत्र में कहा कि यदि तालाब को कब्जा मुक्त नहीं कराया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

महिला ने देवर पर मारपीट व गाली-गलौज का लगाया आरोप

» पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, जांच शुरू

» घर के बंटवारे के बाद बढ़ा विवाद

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद के मूसानगर थाना क्षेत्र के कछगांव में पारिवारिक विवाद मारपीट और गाली-गलौज तक जा पहुंचा। एक महिला ने अपने देवर के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता बिनीता देवी ने बुधवार को दर्ज कराई शिकायत में बताया कि उनके पति और देवर का घर का बंटवारा पहले ही हो चुका है। पति ने पुराना घर तोड़कर नया मकान बनवाया था और वर्तमान में पुखरायां में रहकर बच्चों की पढ़ाई करवा रहे हैं।

आरोप है कि देवर संदीप सिंह आए दिन घर के सामान की तोड़फोड़ करता है और गाली-गलौज व मारपीट पर उतारू हो जाता है।

महिला का कहना है कि संदीप फोन पर भी उन्हें, उनके पति और उनकी सास को गालियां देता है। पीड़िता की सास इस समय उसके साथ ही रहती हैं।

थाना प्रभारी कालीचरन कुशवाहा ने बताया कि मामले की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपों की सच्चाई सामने आने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चोरी से लेकर चरस-गांजे तक, सपा नेता का काला कारोबार

» कानपुर देहात के चर्चित नकली शराब कांड में रही है सपा नेता की भूमिका

» जिला पंचायत सदस्य निखिल गौतम पर चोरी का माल खरीदने का आरोप

» गिरोह के पांच सदस्य दबोचे, सरगना और खरीदार फरार

» गैंगस्टर व बीएनएसएस की कार्रवाई की तैयारी, संपत्ति भी होगी कुर्क

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने लगातार बढ़ती चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया था। इसी अभियान के दौरान नरिहा मोड़ के पास चेकिंग के दौरान तीन बाइकों पर सवार छह संदिग्धों को रोका गया। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे, लेकिन पांच बदमाशों को दबोच लिया गया जबकि एक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपितों ने सनसनीखेज खुलासा किया कि चोरी का माल वह सीधे जिला पंचायत सदस्य निखिल गौतम और एक अन्य व्यक्ति को बेचते थे। निखिल समाजवादी पार्टी छात्र सभा का जिलाध्यक्ष भी है और लंबे समय से आरोपियों के संपर्क में था।

पुलिस को आरोपियों के पास से 79.8 ग्राम सोना, 938.4 ग्राम चांदी, तीन मोटरसाइकिल और अवैध तमंचा बरामद हुआ है। आरोपियों के खुलासे के बाद अब पुलिस निखिल गौतम और दूसरे खरीदार की तलाश तेज कर चुकी है और उनके खिलाफ भी सबूत जुटाए जा रहे हैं।

अलग-अलग सदस्यों संग वारदात करता था सरगना

पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ के बाद पुलिस ने गिरोह के सरगना की पहचान दिलावलपुर निवासी सुदेश सचान के रूप में की है। सुदेश कई सालों से चोरी की घटनाओं में सक्रिय है और वह कभी एक ही टीम के साथ वारदात नहीं करता था। हर घटना में वह अलग-अलग सदस्यों को शामिल करता और बाकी को अलग रखता था, ताकि किसी एक की गिरफ्तारी पर पूरा गिरोह न पकड़ा जा सके।

वह अपने मोबाइल नंबर को अक्सर बंद रखता था और बहुत ही सीमित लोगों को ही इस्तेमाल के लिए देता था, जिससे पुलिस उसे ट्रैक न कर सके। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि गिरोह ने हाल ही में अकबरपुर में नवीन ज्वैलर्स, कन्हैयानगर, लोहिया नगर और बीएसए कार्यालय के पास फौजी के घर में बड़ी चोरियां की थीं।

पुलिस को शक है कि इस गिरोह का तार अन्य जिलों और गिरोहों से भी जुड़ा हुआ है। पकड़े गए आरोपितों में दीपराज पर हत्या, चोरी और अन्य संगीन धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं, जबकि बाकी चारों के खिलाफ भी गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। इस वजह से पुलिस का मानना है कि यह गिरोह अंतरजिला नेटवर्क के तहत काम करता रहा है और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था।

कुर्क होगी संपत्ति, होगी गैंगस्टर की कार्रवाई

एएसपी राजेश पांडेय ने प्रेसवार्ता कर खुलासा किया कि पकड़े गए आरोपितों पर अब सिर्फ चोरी या लूटपाट का मुकदमा नहीं चलेगा, बल्कि उन पर गैंगस्टर एक्ट और 107 बीएनएसएस (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) की धाराओं के तहत भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इन धाराओं में पुलिस को अधिकार है कि आरोपितों की संपत्तियों की जांच की जाए और यह पता लगाया जाए कि उन्होंने अपराध से कितनी संपत्ति अर्जित की है। यदि वे इसका वैध स्रोत नहीं बता पाते हैं तो संपत्ति कुर्क करके पीड़ित परिवारों को लौटाई जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से न सिर्फ अपराधियों की आर्थिक रीढ़ टूटेगी बल्कि चोरी से प्रभावित लोगों को भी सीधा लाभ होगा। पुलिस का दावा है कि इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए और कई दबिशें दी जाएंगी और जल्द ही सरगना सुदेश सचान समेत फरार आरोपी और पंचायत सदस्य को भी गिरफ्तार किया जाएगा। इस पूरे खुलासे से राजनीतिक हलकों में भी हलचल मच गई है क्योंकि सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष निखिल गौतम पर आरोपियों ने चोरी का माल खरीदने का गंभीर आरोप लगाया है।

सूत्रों का दावा - सपा नेता पर मादक पदार्थ व नकली शराब कांड से भी जुड़े होने के आरोप

कानपुर देहात के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला पंचायत सदस्य निखिल गौतम सिर्फ चोरी के गिरोह तक सीमित नहीं है, बल्कि उस पर गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप भी लगते रहे हैं। बताया जाता है कि निखिल गौतम का नेटवर्क चरस और गांजे जैसे मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में भी सक्रिय रहा है और इस व्यापार को वरिष्ठ स्तर पर संभालता है।

सूत्रों के अनुसार, कुछ वर्ष पूर्व कानपुर देहात में हुए नकली शराब कांड में पकड़े गए अपराधियों से भी उसके गहरे संबंध सामने आए थे। उस समय इलाके के प्रभावशाली नेताओं की पैरवी पर उसे समाजवादी पार्टी की ओर से जिला पंचायत सदस्य का टिकट दिया गया, जिसके बाद वह चुनाव जीतकर पंचायत सदस्य बना। राजनीतिक संरक्षण और इलाकाई वर्चस्ववादी नेताओं के सहारे उसने धीरे-धीरे क्षेत्र में एक बड़े आपराधिक तंत्र को खड़ा कर लिया, जो चोरी, नशा और अवैध कारोबार तक फैला हुआ है।

अध्यापक पुरस्कार चयन में अनियमितता का आरोप

» जनसूचना में खुला बड़ा खुलासा

» अयोध्या की चयन प्रक्रिया पर उठे सवाल

» पुन: परीक्षण की मांग तेज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राज्य अध्यापक पुरस्कार-2024 के लिए अयोध्या जिले से चयनित शिक्षक के नाम पर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य चयन समिति द्वारा चुने गए शिक्षक अनूप मल्होत्रा की उपस्थिति को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं।

जनसूचना अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि पिछले तीन शैक्षिक सत्रों में उनकी विद्यालय उपस्थिति 50 प्रतिशत से भी कम रही है।

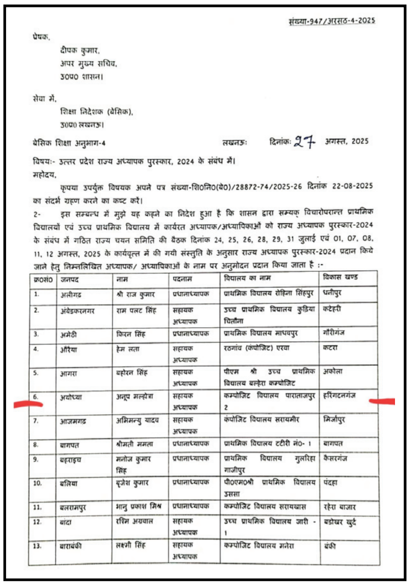

संख्या-947/अरसठ-4-2025

प्रेषक,
दीपक कुमार,
अपर मुख्य सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,
शिक्षा निदेशक (बेसिक),
उ0प्र0 लखनऊ।

बेसिक शिक्षा अनुभाग-4 लखनऊ: दिनांक: 27 अगस्त, 2025

विषयः- उत्तर प्रदेश राज्य अध्यापक पुरस्कार, 2024 के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-शि0नि0(बे0)/28872-74/2025-26 दिनांक 22-08-2025 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त प्राथमिक विद्यालयों एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत अध्यापक/अध्यापिकाओं को राज्य अध्यापक पुरस्कार-2024 के संबंध में गठित राज्य चयन समिति की बैठक दिनांक 24, 25, 26, 28, 29, 31 जुलाई एवं 01, 07, 08, 11, 12 अगस्त, 2025 के कार्यवृत्त में की गयी संस्तुति के अनुसार राज्य अध्यापक पुरस्कार-2024 प्रदान किये जाने हेतु निम्नलिखित अध्यापक/ अध्यापिकाओं के नाम पर अनुमोदन प्रदान किया जाता है :-

क्र0सं0	जनपद	नाम	पदनाम	विद्यालय का नाम	विकास खण्ड
1.	अलीगढ़	श्री राज कुमार	प्रधानाध्यापक	प्राथमिक विद्यालय रोहिना सिंहपुर	धनीपुर
2.	अंबेडकरनगर	राम पलट सिंह	सहायक अध्यापक	उच्च प्राथमिक विद्यालय कुड़िया चितौना	कटेहरी
3.	अमेठी	किरन सिंह	प्रधानाध्यापक	प्राथमिक विद्यालय माधवपुर	गौरीगंज
4.	औरैया	हेम लता	सहायक अध्यापक	रठगांव (कंपोजिट) एरवा	कटरा
5.	आगरा	बहोरन सिंह	सहायक अध्यापक	पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय बल्हेरा कम्पोजिट	अकोला
6.	अयोध्या	अनूप मल्होत्रा	सहायक अध्यापक	कम्पोजिट विद्यालय पाराताजपुर 2	हरिंगटनगंज
7.	आजमगढ़	अभिमन्यु यादव	सहायक अध्यापक	कंपोजिट विद्यालय सरायमीर	मिर्जापुर
8.	बागपत	श्रीमती ममता	प्रधानाध्यापक	प्राथमिक विद्यालय टटीरी नं0- 1	बागपत
9.	बहराइच	मनोज कुमार सिंह	प्रधानाध्यापक	प्राथमिक विद्यालय गुलरिहा गाजीपुर	कैसरगंज
10.	बलिया	बृजेश कुमार	प्रधानाध्यापक	पी0एम0श्री प्राथमिक विद्यालय उससा	पंदहा
11.	बलरामपुर	भानु प्रकाश मिश्र	प्रधानाध्यापक	कम्पोजिट विद्यालय सरायखास	रेहरा बाजार
12.	बांदा	रश्मि अग्रवाल	सहायक अध्यापक	उच्च प्राथमिक विद्यालय जारी - 1	बडोखर खुर्द
13.	बाराबंकी	लक्ष्मी सिंह	सहायक अध्यापक	कम्पोजिट विद्यालय मनेरा	बंकी

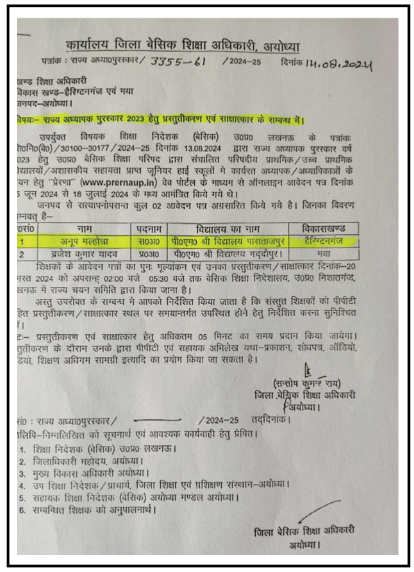

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अयोध्या

पत्रांक : राज्य अध्या0पुरस्कार/ 3355-61 /2024-25 दिनांक 14.08.2024

खण्ड शिक्षा अधिकारी
विकास खण्ड-हैरिंग्टनगंज एवं मया
जनपद-अयोध्या।

विषयः- राज्य अध्यापक पुरस्कार 2023 हेतु प्रस्तुतीकरण एवं साक्षात्कार के सम्बन्ध में।

उपर्युक्त विषयक शिक्षा निदेशक (बेसिक) उ0प्र0 लखनऊ के पत्रांकः शि0नि0(बे0)/30100-30177/2024-25 दिनांक 13.08.2024 द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार वर्ष 2023 हेतु उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परिषदीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों/अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों मे कार्यरत अध्यापक/अध्यापिकाओं के चयन हेतु "प्रेरणा" (www.prernaup.in) वेब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 5 जून 2024 से 18 जुलाई 2024 के मध्य आमंत्रित किये गये थे।

जनपद से सत्यापनोपरान्त कुल 02 आवेदन पत्र अग्रसारित किये गये है। जिनका विवरण निम्नवत् है-

क्र0सं0	नाम	पदनाम	विद्यालय का नाम	विकासखण्ड
1	अनूप मल्होत्रा	स0अ0	पी0एम0 श्री विद्यालय पाराताजपुर	हैरिंग्टनगंज
2	ब्रजेश कुमार यादव	प्र0अ0	पी0एम0 श्री विद्यालय गद्दौपुर।	मया

शिक्षकों के आवेदन पत्रों का पुनः मूल्यांकन एवं उनका प्रस्तुतीकरण/साक्षात्कार दिनांक-20 अगस्त 2024 को अपरान्ह् 02:00 बजे 05:30 बजे तक बेसिक शिक्षा निदेशालय, उ0प्र0 निशातगंज, लखनऊ में राज्य चयन समिति द्वारा किया जाना है।

अस्तु उपरोक्त के सम्बन्ध मे आपको निर्देशित किया जाता है कि संस्तुत शिक्षकों को पीपीटी सहित प्रस्तुतीकरण/साक्षात्कार स्थल पर समयान्तर्गत उपस्थित होने हेतु निर्देशित करना सुनिश्चित करें।

नोटः- प्रस्तुतीकरण एवं साक्षात्कार हेतु अधिकतम 05 मिनट का समय प्रदान किया जायेगा। प्रस्तुतीकरण के दौरान उनके द्वारा पीपीटी एवं सहायक अभिलेख यथा-प्रकाशन, शोधपत्र, ऑडियो, वीडियो, शिक्षण अधिगम सामग्री इत्यादि का प्रयोग किया जा सकता है।

(सन्तोष कुमार राय)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
अयोध्या।

सं0 : राज्य अध्या0पुरस्कार/ /2024-25 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. शिक्षा निदेशक (बेसिक) उ0प्र0 लखनऊ।
2. जिलाधिकारी महोदय, अयोध्या।
3. मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या।
4. उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान-अयोध्या।
5. सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) अयोध्या मण्डल अयोध्या।
6. सम्बन्धित शिक्षक को अनुपालनार्थ।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
अयोध्या।

स्वराज इंडिया X क्लूसिव

इसके अलावा चिकित्सा अवकाश और अन्य कार्यक्रमों के नाम पर अतिरिक्त 20 दिन की गैरहाजिरी दर्ज है। विद्यालय में छात्रों की कम उपस्थिति को लेकर बीएसए द्वारा चेतावनी पत्र भी जारी किया गया था। शिक्षा निदेशक (बेसिक), लखनऊ के आदेश पत्रांक शि.नि.(बे.)/17365-689/2024-25 दिनांक 12 जून 2024 में स्पष्ट रूप से उल्लेख था कि पुरस्कार चयन में उपस्थिति, शिक्षण कार्य, नवाचार और विद्यार्थियों की प्रगति को प्राथमिक मानदंड बनाया जाएगा। आरोप है कि चयन समिति ने इन मानदंडों का पालन नहीं किया और मनमाने तरीके से निर्णय लिया।

मामले की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री कार्यालय और बेसिक शिक्षा अनुभाग को भेज दी गई है। सूत्रों के अनुसार, पुरस्कार चयन प्रक्रिया का पुन: परीक्षण किया जा सकता है और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई भी संभव है। शिक्षक समाज और शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ऐसे मामलों पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो मेहनती व ईमानदार शिक्षकों का मनोबल टूटेगा और पुरस्कार की गरिमा पर भी प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

गौरतलब हो कि अनूप मल्होत्रा स्काउट गाइड का कार्य देखते हैं। अधिकारियों की कृपा से जिला मुख्यालय पर ही मौजूद रहते हैं। शिक्षकों का कहना है कि शिक्षक पुरस्कार अध्यापन के लिए दिया जाता है जिसमें अनूप मल्होत्रा की उपस्थिति बेहद गंभीर है। इस मामले में उनको चेतावनी भी मिल चुकी है। सवाल उठ रहा है कि जिस अध्यापक को राज्य चयन समिति ने 2023 में अयोग्य पाया वो कम उपस्थित के बाद भी 2024 में योग्य कैसे हो गया। जिला चयन समिति ने भी दोनों वर्ष एक ही अध्यापक का नाम ही क्यों चयनित किया।

आरोपो के सम्बंध में अनूप मेहरोत्रा का कहना है कि जिन लोगो को पुरस्कार नही मिलता वह ईर्ष्यावश इस तरह की हरकतें करते रहते है। मेरा विद्यालय पीएम श्री विद्यालय में चयनित है। मेरे विद्यालय के एक छात्र का चयन अटल आवासीय स्कूल में और तीन बच्चो का चयन आश्रम पद्धति विद्यालय में भी हुआ है। मैं स्काउट टीचर हूँ तो उस वजह से मुझे बाहर भी रहना पड़ता है और स्काउट के मामले में पूरे प्रदेश में हमारे जिले में सर्वाधिक कार्य हुआ है। अब शिकायत करने से तो हम किसी को रोक नही सकते।

सत्र 2021-22 में 124 दिन अनुपस्थित
सत्र 2022-23 में 118 दिन अनुपस्थित
सत्र 2023-24 में 73 दिन अनुपस्थित

सरयू पुल से कूदी महिला को जल पुलिस ने बचाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पुराना सरयू पुल पर गुरुवार को एक महिला ने छलांग लगाकर जान देने का प्रयास किया, लेकिन जल पुलिस की सतर्कता से उसकी जान बच गई। जल पुलिस के जवान कांस्टेबल मेहर सिंह, नित्यानंद यादव और सुरेंद्र यादव ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला को सुरक्षित बाहर निकाला।

महिला ने अपना नाम निर्मला यादव पत्नी राहुल यादव बताया। वह फिलहाल फैजाबाद के आसपास अपना घर होने की बात कह रही है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और परिजनों से संपर्क साधने का प्रयास किया जा रहा है।

अमेरिका में स्कूल पर आतंकी हमला

दो मासूम की मौत, 17 बच्चे घायल

20 लोग घायल हुए, घायलों में 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के मिनेसोटा प्रांत में स्कूल में गोलीबारी की एक घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। यह घटना बुधवार को प्रांत के प्रमुख शहर मिनियापोलिस में हुई है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमलावर को मार गिराया गया है, जबकि दो अन्य की मौत हुई है। इस घटना में 20 लोग घायल हुए हैं। घायलों में 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मिनियापोलिस पुलिस के साथ एफबीआई और राज्य सुरक्षाकर्मी ने इलाके की नाकाबंदी कर दी है।

अधिकारियों के मुताबिक, हमलावर मारा जा चुका है और इलाके में कोई सक्रिय खतरा नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध हमलावर ने सेमी ऑटोमेटिक हथियार से गोलीबारी की। गोलीबारी उस समय हुई जब स्कूल में किंडरगार्टन से आठवीं कक्षा तक के बच्चे प्रार्थना कर रहे थे। इसी दौरान अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई।

गवर्नर ने कहा भयावह : मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ट्ज ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि यह हमला मिनियापोलिस के एननसिएशन कैथोलिक स्कूल में हुआ। उन्होंने इसे भयानक हिंसक कृत्य बताते हुए इसकी निंदा की है। वाल्ट्ज ने एक्स पर लिखा, 'मैं उन बच्चों और शिक्षकों के लिए प्रार्थना कर रहा हूं, जिनके स्कूल का पहला सप्ताह में ही ऐसी भयावह घटना हुई।' अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस घटना की पूरी जानकारी दी गई है। वाइट हाउस घटना के बाद स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वर्ष 1923 से संचालित प्री-किंडरगार्टन से आठवीं कक्षा तक के इस स्कूल की वेबसाइट के अनुसार, बुधवार सुबह 8:15 बजे सामूहिक प्रार्थना सभा होनी थी। इसी दौरान गोलाबारी का हादसा हुआ।

» पुलिस संग एफबीआई व राज्य सुरक्षाकर्मी ने इलाके की नाकाबंदी की

» गवर्नर ने इसे भयानक हिंसक कृत्य बताते हुए इसकी घोर निंदा की है

शहर में लगातार गोलीबारी

मिनियापोलिस में गोलीबारी की कई घटनाएं बीते दो दिन में हुई हैं। मिनियापोलिस के एक हाई स्कूल के बाहर मंगलवार दोपहर गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हुई और छह घायल हो गए थे। इसके बाद शहर में हुई दो अन्य गोलीबारी की घटनाएं हुईं, जिनमें दो लोगों की जान गई। इसके बाद स्कूल में बच्चों पर फायरिंग की यह घटना हुई है।

राहुल की रैली में पीएम मोदी की मां के खिलाफ अभद्र बयान

नई दिल्ली। बिहार में राहुल गांधी भाजपा और पीएम मोदी के खिलाफ रैली के जरिए जमकर हमला बोल रहे हैं। इस बीच उनकी एक रैली में पीएम मोदी और उनकी मां हीराबेन के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। भाजपा ने इस बात का दावा करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला है। भाजपा ने दावा किया कि इस हफ्ते बिहार चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां हीराबेन मोदी के खिलाफ 'बेहद अपमानजनक भाषा' का इस्तेमाल किया गया। इस कार्यक्रम में विपक्षी नेताओं, कांग्रेस के राहुल गांधी और राजद के तेजस्वी यादव के पोस्टर लगे थे। रभंगा जिले में हुई रैली का एक 33 सेकंड का वीडियो काफी शेयर किया जा रहा है, जिसमें कांग्रेस के झंडे भी लगे हुए हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस और राजद कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के एक स्थानीय नेता नौशाद के नेतृत्व में मंच पर खड़े होकर पार्टी के झंडे लहराए और नारेबाजी की। भाजपा ने दावा किया कि इसमें प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ 'अपमानजनक' नारे लगाए।

टैरिफ 'बम' ट्रंप के इस फैसले का खुद अमेरिकी सांसद ही विरोध कर रहे हैं, इसे अमेरिकियों के हितों के खिलाफ बता रहे

'अगर इंडिया नहीं झुका तो...', अब ट्रंप के सलाहकार ने दी धमकी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफबम के बाद दुनियाभर में इसी की चर्चा हो रही है। ट्रंप के इस फैसले का खुद अमेरिकी सांसद ही विरोध कर रहे हैं और इसे अमेरिकियों के हितों के खिलाफबता रहे हैं। हालांकि, ट्रंप भारत द्वारा रूसी तेल खरीद के खिलाफ टैरिफ लगाने को सही बताते हुए अडिग हैं।

रूसी तेल खरीद के खिलाफ धमकी दी : इस बीच डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष आर्थिक सलाहकार ने भी भारत सरकार को रूसी तेल खरीद के खिलाफ धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने चेतावनी दी है कि अगर भारत रूसी कच्चे तेल के व्यापार पर लगाम लगाने में विफल रहता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति किसी भी तरीके से टैरिफनहीं हटाने वाले हैं।

केविन हैसेट ने भारत पर लगाए ये आरोप : केविन हैसेट ने भारत सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अमेरिका-भारत की व्यापार वार्ता भी अब 'जटिल' हो गई है और भारत अमेरिकी उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलने में 'अड़ियल' रवैया अपना रहा है।

ट्रंप झुकने वालों में नहीं : हैसेट ने आगे कहा कि अगर भारत नहीं झुकेगा, तो मुझे नहीं लगता कि राष्ट्रपति ट्रंप झुकने वालों में से हैं। अमेरिका ने बुधवार को भारतीय वस्तुओं पर शुल्क दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया, जो ब्राजील के अलावा किसी भी देश के लिए सबसे अधिक है। इसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

हैसेट ने कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता भी जटिल है और दावा किया कि ट्रंप ने टैरिफ केवल इसलिए ही लगाया है कि रूस पर शांति समझौता करने और लाखों लोगों की जान बचाने का दबाव डाला जा सके।

क्या है भारत का रुख? : भारत ने कहा है कि वह अमेरिकी दबाव के सामने झुकने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों के हितों से 'कभी समझौता नहीं' करने की कसम खाई है। सरकार का अनुमान है कि इन शुल्कों से अमेरिका को होने वाले 48.2 अरब डॉलर के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा।